**Title:** Regarding felicitations offered to the Deputy Speaker.

11.20 hrs.

**प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी ओर से, नेशनल डैमोक्रेटिक एलाएंस की ओर से और अगर मेरे मित्र मणि शंकर जी आपत्ति न करें तो सारे सदन की ओर से, सईद साहब को बधाई देना चाहता हूं।**

**आप पिछली बार भी सर्व सम्मति से चुने गये थे, लेकिन इस बार की सर्व सम्मति में जरा ज्यादा मिठास है। आप इस सदन के वरिष्ठतम सदस्यों में से हैं। पहली बार आप १९६७ में सदस्य चुने गये थे और तब से लगातार यह क्रम चल रहा है। अन्य सदस्य आते हैं, जाते हैं, मगर आप खाली आते ही आते हैं, जाते नहीं हैं।**

**सभी इस बात को स्वीकार करते हैं कि उपाध्यक्ष का दायित्व आपने भलीभांति निर्वाह किया है। जहां कड़ाई की जरूरत होती है, आप कड़े हो जाते हैं और जहां नरमाई से काम चल जाता है, वहां नरमाई से काम निकाल लेते हैं। मंत्री पद भी आपने सुशोभित किया है और सभी के सहयोग से सदन को चलाते रहे हैं।**

**हम आपकी सफलता की कामना करते हैं और आपको अपने पूरे सहयोग का आश्वासन देते हैं।**

**श्रीमती सोनिया गांधी (अमेठी) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने सहयोगी श्री पी.एम. सईद के आम राय से लोक सभा का दोबारा उपाध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई देती हूं।**

**पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय तक वे इस सदन में हमारे देश के दूर-दूर के खूबसूरत द्वीपों की आवाज बुलन्द करते रहे हैं। उनका दोबारा चुना जाना, उनका अनुभव, दिल और दिमाग की खूबियों, नेकनामी और संसद की कार्यवाही में उनका योगदान का सम्मान है। अपने व्यक्तित्व, खुशमिजाजी और तहजीब की वजह से उन्होंने हम सब का आदर पाया है।**

**श्री सईद ने इस सदन में अनेक ऐतिहासिक अवसरों पर बहस में हिस्सा लिया है। वे पिछले ३३ सालों से लगातार लोक सभा के सदस्य हैं और उन्होंने अत्यन्त महत्व के मुद्दे उठाये हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि वे हमारे उपाध्यक्ष हैं।**

**उनके कंधों पर हमने एक भारी जिम्मेदारी डाली है, लेकिन मैं जानती हूं कि वे हमेशा की तरह प्रसन्नता और सज्जनता के साथ अपना दायित्व पूरा करेंगे।**

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker Sir, I congratulate Shri P.M. Sayeed and also the people of Lakshadweep. I am sure that they are very proud today for having selected and elected continuously a very worthy representative of theirs who has adorned this House for decades.

Sir, the Prime Minister referred to his coming everytime. He has become a permanent fixture of this House. We have known him as one of the friendliest Members and a good guide who has maintained excellent relationship with everybody in the House. By nature, he is amiable. He cannot get annoyed with us. That is why, we are not going to take advantage of his amiability and good nature. He has already made his mark and shown his undoubted capacity to be a very worthy Presiding Officer of this House and we are very very happy that in recognition of his services which he has rendered to the House and to the cause of the parliamentary democracy that he has been unanimously selected once again. We wish him all the best. Speaking for my party and on my own behalf, we assure the fullest cooperation with the Chair, with Mr. Sayeed as Deputy-Speaker, and I am sure, as before, he will continue to render his services to this House and through this House, to the people of this country. Sir, I hope that he will not interrupt the supply of tuna to us from time to time.

**श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.): अध्यक्ष जी, श्री पी.एम. सईद को इस उच्च पद पर चुने जाने के लिए मैं बधाई देता हूं। सईद साहब जब से आए, हमारे परम मित्रों में से हैं। जैसा हमारे किसी मित्र ने कहा कि सागर की लहरों से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। लेकिन उससे अधिक जीवन के थपेड़ों से सीखा है। जहां उन्होंने सागर की उठती हुई लहरों को देखा है, वहां जीवन के उतार-चढ़ाव को भी इन्होंने पहचाना है। इसीलिए इनके दिल में गरीबों के लिए ममता है, एक स्नेह है और उसका उजागर उन्होंने समय-समय पर इस सदन में किया है। लक्षद्वीप में बसे हुए निवासी उनसे इसलिए इतने प्रभावित हैं कि उनकी आवश्यकताओं के लिए, उनके जीवन की मूलभूत चीजों के लिए उन्होंने सतत प्रयास किया है। १९६७ से, जब मैं भी कांग्रेस में था, तब से लगातार गरीबी मिटाने के सपने को लेकर सईद साहब लड़ते रहे। तारीखी के कुछ दिनों में हमारा और उनका साथ छूट गया, लेकिन दोस्ती बनी रही। वह दोस्ती आज भी कायम है। अपने इस मित्र के जीवन में इतनी उपलब्धि पाने के लिए मुझे स्वयं प्रसन्नता का अनुभव होता है। मैं ऐसा मानता हूं कि यह केवल उनके बार-बार चुने जाने के कारण नहीं है, उनके जीवन में जो कुछ उन्होंने अपनाया है, परखा है और जिस प्रकार लोगों की पीड़ा के साथ अपने को जोड़ा है, उससे न केवल वह लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि सारे उपेक्षित, लांछित और शोषित मानवता के वह प्रतीक हैं। इस रूप में मैं उनका अभिनंदन करता हूं।**

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल): अध्यक्ष महोदय, श्री पी.एम. सईद जो उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए हैं, उसके लिए मुझे खुशी है, मैं उनका अभिनंदन करता हूं और शुभकामनाएं भी पेश करता हूं। मुझे खुशी है कि १९६७ से लेकर अभी तक लगातार वे इस सदन में देश की आम जनता के दुख-दर्दों को पहचानते रहे हैं और अपनी आवाज भी बुलंद करते रहे हैं।**

**सबसे बड़ी लोकप्रियता और जनप्रियता का प्रमाण है कि १९६७ से लगातार वे इस सदन के सदस्य हैं। उनको मेरी शुभकामनायें हैं। जिस मकसद को लेकर, जिन इरादों को लेकर इस देश के गरीब किसान, मजदूर, अल्पसंख्यक, उपेक्षित, भूखे-नंगे लोगों, जिनके लिए अभी तक शुद्ध पीने के पानी का इन्तजाम नहीं है, जिनको कठिन संघर्ष करना है, आप इस पद पर बैठकर उनकी भावनाओं का विशेष आदर करेंगे, जब उन वर्गों के बारे में यहां सवाल उठेंगे। आपने पिछले सत्र में जिस निष्पक्षता और निर्भीकता से इस सदन का संचालन किया है, वह भी सराहनीय है।**

**मैं पुनः समाजवादी पार्टी की ओर से आपका स्वागत और अभिनन्दन करता हूं।**

**SHRI M.V.V.S. MURTHY (VISAKHAPATNAM): Mr. Speaker, Sir, I am very happy personally and also on behalf of my Telugu Desam Party, we heartily congratulate Shri P.M. Sayeed. He has been in this House continuously from 1967 onwards. He has mastered the art of winning the election as well as the hearts of the Members of this House also. Really, it is a great event. Also, he has seen all types of winds in this House. He has also mastered the art of keeping the House in dignity.**

Shri P.M. Sayeed has occupied the administrative Office of the Minister also. I know him personally. We are really gratified and elevated on his election as Deputy-Speaker. I am sure, with the decorum and dignity, he will maintain this House at all times. We wish him all the success.

SHRI INDRAJIT GUPTA (MIDNAPORE): Mr. Speaker, Sir, I think Shri Sayeed"""""s election today was a foregone conclusion. There is nobody who can match him in his long record in the chair and his popularity is something which requires to be properly understood and diagnosed why he is so popular with everybody in the House, not to speak of his own constituency in Lakshadweep. His nature and his character is such that we all know him for so many years as a very close friend also apart from being the Deputy-Speaker. He is the most amiable, most friendly and most affectionate Deputy-Speaker apart from being the most efficient - I should say - person that we have had all these years. So, as far as my group is concerned, we, of course, will cooperate with him fully in every way.

I am conscious of the fact that I am perhaps congratulating a future Father of the House. He has not got much further to go before he reaches that level. So, anyway, I wish him all success. We are very very happy today at his unanimous election.

कुमारी मायावती (अकबरपुर) : अध्यक्ष महोदय, श्री पी.एम. सईद के उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने पर मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से उनको बधाई देती हूं। साथ ही उनके व्यक्तिव के बारे में मुझे से पूर्व जिन पार्टियों के नेताओं ने अपने विचार रखे हैं, उनसे अपनी सहमति जताते हुए, मैं एक बात कहना चाहूंगी।

मुझे याद है पिछली सरकार के दौरान इसी पद पर चयन करने की बात जब आई तब परम्परा के अनुसार विपक्ष की ओर से डिप्टी-स्पीकर के पद का सिलैक्शन होता है। लेकिन उस समय ऐसे हालात बने कि सत्ता पक्ष की ओर से भी इस पद के लिए पहल की गयी। उस समय मैंने यह महसूस किया कि विपक्ष की ओर से तो लगभग सभी सांसद उनको इस पद पर लाने की अपील कर रहे थे लेकिन सत्ता पक्ष के ओर से भी बहुत से ऐसे नेता थे जो उनको इस पद पर लाना चाहते थे। कुमारी ममता बनर्जी ने इनको लाने की जोरदार अपील की थी। ऐसे व्यक्तित्व के धनी सांसद जिनका डिप्टी-स्पीकर के पद पर निर्विरोध चयन हुआ है, उनको मैं बधाई देते हुए अपील करना चाहूंगी कि वे जिस समाज से ताल्लुक रखते हैं उस समाज का खास तौर से ध्यान रखेंगे।

जब भारत के संविधान का निर्माण हुआ तो उसे धर्म-निरपेक्षता के आधार पर बनाया गया। उसके अनुसार सभी धर्मों के मानने वाले बराबर हैं। उनके जान-माल और उनके धर्म की रक्षा की जिम्मेदारी केन्द्र और राज्य सरकारों की है। लेकिन धार्मिक अल्पसंख्यक मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी और बुद्धिस्ट लोग, जिनकी काफी लम्बे अर्से से अनदेखी हो रही है तथा आज वे अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। आप धार्मिक अल्पसंख्यकों में सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज से ताल्लुक रखते हैं। मुझे विश्वास है कि आप मुस्लिम समाज ही नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के विभिन्न वर्गों का पूरा ध्यान रखेंगे और जब कभी उनके हितों की कोई बात संसद में उठेगी तो आप पूरा समय देकर उनके हितों की रक्षा करेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं उम्मीद करती हूं कि मैंने जिन बातों की तरफ और खास तौर से जिन धार्मिक अल्पसंख्यकों की तरफ आपका ध्यान आकर्षित किया है उनके हितों का आप जरूर ध्यान रखेंगे।

SHRI P.H. PANDIAN (TIRUNELVELI): Mr. Speaker, Sir, I, on behalf of the AIADMK Party and on my own behalf, offer our felicitations to the Deputy-Speaker, Shri P.M. Sayeed, on his unanimous election.

I know the difficult task of the Presiding Officer of any House. The Deputy-Speaker is calm, smiling, friendly and we made fast friendship in the last week. I hope that he would be able to guide us in our parliamentary work here. The Deputy-Speaker acts in the absence of the Speaker.

The Deputy-Speaker has been elected to the Lok Sabha on 10 consecutive elections from the same constituency. It is very difficult to get elected from the same constituency for so many times, because he had to face the same electorate every time. The people of Lakshadweep have showered their love and affection on him and they have been sending him to the Lok Sabha for 10 times consecutively.

So, I wish him all success on behalf of our Party and I congratulate him.

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): अध्यक्ष महोदय, लोकसभा के पुराने माननीय सदस्य श्री पी.एम. सईद जी को उपाध्यक्ष पद पर दुबारा निर्विरोध चुने जाने और लगातार दस बार लोकसभा के लिये चुने जाने पर राष्ट्रीय जनता दल को और मुझे बड़ी प्रसन्नता है। मैं उन्हें इस बात के लिये बधाई देता हूं कि वे निर्विरोध चुने गये हैं।

अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी इसलिये भी है कि उपाध्यक्ष जी के चुने जाने पर उनके सहयोग से आपके काम का भार काफी हलका हो जायेगा। इस पद पर उनके निर्विरोध चुने जाने पर दूर-दराज के क्षेत्र लक्षद्वीप, जो समुद्र के बीच में छोटा सा इलाका है, वहां के लोगों के दिलों में कितनी खुशी होगी कि इस सम्मानित पद पर वहां का प्रतिनिधि चुना गया है। इससे भी लोगों का हौसला बुलंद हुआ होगा कि एक ही व्यक्ति वहां से बार बार चुना जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, पिछली लोकसभा में जिस तरह से माननीय सदस्यों की भावनाओं का ख्याल रखते हुये उन्होंने जिस निष्पक्षता और योग्यता से इस सदन का संचालन किया और आपको सहयोग प्रदान किया, उससे १९७७ की वह धारा बलवती हुई जिसे हम लोगों ने शुरु किया था कि उपाध्यक्ष पद पर विपक्ष का व्यक्ति निर्विरोध ढंग से चुना जाये। यह ठीक बात है जैसा माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि पिछली बार उपाध्यक्ष निर्विरोध रूप से चुना गया था और इस बार भी वे निर्विरोध चुने गये हैं, लेकिन पिछली बार और इस बार में फर्क है। पिछली बार सत्ता पक्ष के लोग चाहते थे कि उस परिपाटी को चकनाचूर किया जाये और अपना व्यक्ति उपाध्यक्ष चुन लिया जाये। उस समय उनकी सहयोगी पार्टी के लोगों, जिनमें कुमारी ममता बनर्जी भी थीं, ने बहुत कड़ा स्टैंड लिया और कहा कि इस परिपाटी को नहीं टूटना चाहिये तथा उपाध्यक्ष पद विपक्ष को दिया जाना चाहिये। इसलिये मैं प्रधानमंत्री जी के उदगार से सहमत हूं कि इस बार ज्यादा उत्साहपूर्वक और उस परिपाटी को मजबूत करने की कार्यवाही उनके चुने जाने से हुई है।

अध्यक्ष महोदय, जब आप चुने गये थे, उस दिन हमें भारी प्रसन्नता हुई थी और आज जब उपाध्यक्ष जी चुने गये हैं, हमें उतनी ही प्रसन्नता है। यह सदन देश के समाज के आइने की तरह है। देश की क्या स्थिति है, उसका सही चित्र लोकसभा में जब आयें तो माना जायेगा कि यह सजीव है और आप दोनों पीठासीन अधिकारी इस लोकसभा के संरक्षक हैं। इसलिये जनता की आकांक्षाओं, जनता की समस्याओं, समाज के दबे-कुचले लोगों की समस्याओं का निश्चित रूप से आप ध्यान रखेंगे। साथ ही नये सदस्यों और छोटी पार्टियों का भी ख्याल रखेंगे ताकि जनता का सही रूप और देश का सही चित्रण इस लोकसभा के आइने में आ सके और लोगों का लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली के प्रति विश्वास जम जाये।

अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः एक बार श्री पी.एम.सईद को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध रूप से चुने जाने पर बधाई और धन्यवाद देता हूं कि वे इस पद की गरिमा और महिमा बढ़ाने का काम करेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

**SHRI AMAR ROY PRADHAN (COOCHBEHAR): Mr. Speaker, Sir, on behalf of my party Forward Bloc, I would like to congratulate hon. Shri P.M. Sayeed, for having been unanimously elected as Deputy-Speaker of this august House. He is a good friend of us. Shri Sayeed is not only a gentleman but he is also a perfect gentleman and sincere to his duties. He has been elected ten times from the same constituency without break. It is a record. Justice is of great interest for man on earth. I hope the hon. Deputy-Speaker, when he is in the Chair, will do justice to the hon. Members of this august House.**

**He will do it accordingly and uphold the prestige of this House.**

**श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी): जनाब स्पीकर साहब, हमें बहुत खुशी है कि जनाब पी.एम.सईद साहब डिप्टी स्पीकर मुंतखिब हुए हैं और इत्तफाके राय के साथ मुंतखिब हुए हैं। हम उनका इस्तकबाल करते हैं। मैं अपनी पार्टी मुस्लिम लीग तथा अपनी जानिब से उनको दिली मुबारकबाद पेश करता हूं। जैसा कि हमारे वजीरेआजम श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने बतलाया कि पी.एम.सईद साहब वसीह तजुर्बा रखते हैं। वह इस ऐवान के न सिर्फ सीनियर मैम्बरान व अराकीन में से हैं, बल्कि उन्होंने मसनदे विजारत को भी जीनत बख्शी है और आपके मआवीन के तौर पर डिप्टी स्पीकर भी रह चुके हैं। हमारा यकीन है कि इंशाअल्लाह वह अपने फराइज को बखूबी अंजाम दे पायेंगें। पार्लियामानी जम्हूरियत की रिवायत बरकरार रखी गई है और अपोजीशन में से डिप्टी स्पीकर लिया गया है। साथ ही साथ सेक्युलर जम्हूरियत को भी चार चांद लगते हैं। पी.एम.सईद साहब अक्लियत से हैं और अक्लियतों को भी बेहद खुशी होगी। मैंने हमेशा कहा है कि हमसे हिंदुस्तान है। इस लफ्ज ठहम''''''''' पर गौर करने की जरूरत है। ठह''''''''' और ठमीम''''''''' हम, ठह''''''''' और ठम''''''''' हम, ठह''''''''' से हिंदू ठम''''''''' से मुसलमान और तमाम दीगर फिरके यह ठह''''''''' और ठम''''''''' जब मिलते हैं तो ठहम''''''''' होता है और इस ठहम''''''''' से हिंदुस्तान होता है। यह पैगाम है जो हम देश को दे रहे हैं। मैं मुबारकबाद पेश करता हूं और यकीन करता हूं कि इंशाअल्लाह सेक्युलर जम्हूरियत के उसूल की हमेशा यहां कद्र होती रहेगी। जनाब पी.एम.सईद साहब को मुबारकबाद।**

**MR. SPEAKER: Hon. Members, I have pleasure in joining the Prime Minister, the Leader of the Opposition and other hon. Members in extending my felicitations to Sayeed Saheb on his election as the Deputy-Speaker once again. His unanimous election for a second term is yet another testimony to the collective commitment of this House to the well established democratic values and traditions.**

**Shri Sayeed is one of those few privileged Members who have virtually played most of the roles associated with being a Member of this House. The whole House, particularly, the new Members, stand to gain enormously from his long and varied experience in Parliament, in several of its Committees, in the Council of Ministers and most importantly, as the Deputy-Speaker in the previous Lok Sabha.**

He is already a role model for our parliamentarians. To be returned to the House ten consecutive terms from the same constituency in itself is a remarkable feat. To be accepted by the whole House, unopposed as its Deputy-Speaker for the second consecutive term, definitely adds colour to that achievement.

With the humility and simplicity, symbolic of our beautiful island population whose most consistent and authentic spokesperson he has been for more than three decades, Sayeed Saheb has earned a wide circle of friends and admirers within this House. As a Presiding Officer, he has been able to combine the right degree of firmness with flexibility and a high degree of objectivity in dealing with the Members on either side of the Chair, this, as you know, is the most difficult test for a Presiding Officer to pass. This House has indeed been very prudent in its choice.

I wish Shri Sayeedji all the very best.

SHRI P.M. SAYEED (LAKSHADWEEP): Hon. Speaker, hon. Prime Minister, Shri Atal Bihari Vajpayee, Leader of the Opposition, Shrimati Sonia Gandhi, leaders of political parties and other hon. Members of the House:

It is a great honour and privilege in being elected a Member of this House, which is the popular Chamber of the largest working democracy in the world. My hearty felicitations to all of you in having been able to secure this honour and privilege.

That I am your unanimous choice for the office of the Deputy-Speaker is a matter of honour for me. That I am your choice for the second time over is doubly so. I feel touched. I feel humble.

Today"""""'s political trend in the country is one of inclusiveness. The politics of exclusion appears to me to be behind us. I see inclusiveness in the composition of this House; in the structure of the Government. I see in my election as Deputy-Speaker of the House that the islanders of the country in general and the people of my constituency, Lakshadweep, in particular, are also beneficiaries of this inclusiveness. I take this opportunity to convey to the House the compliments of the people of Lakshadweep; to place on record my gratitude to them but for whose faith in me through ten general elections, I would not have accessed the office of the Deputy-Speaker in repetition.

In my long experience as a Member of this House which has given me interface with Members of the Houses of other countries, I have found that all over the world, parliamentarians are becoming increasingly professional in serving their constituents. Attaching value for the time of the House, facilitating orderly conduct of parliamentary proceedings, display of mutual respect for the views of one another, rising above partisan considerations on matters of basic national interests, knowledge-based performance in the Parliament are all various dimensions of this professionalism. I call upon all the hon. Members to be professional in the discharge of their duties and functions.

Even as I emphasize professionalism, I do concede that the hon. Members should be equipped with the necessary infrastructure for the purpose. Members of Parliament elsewhere in the world, even in comparatively smaller countries, have full-fledged offices with adequate supporting staff and modern equipment including computers with the latest configuration and interconnectivity. I am aware that the hon. Speaker is also for modernising the service capabilities of parliamentarians. The House, as a whole, needs to innovate in this regard.

While I see that a significant percentage of the Members of the House are newcomers, I am sure that many of them would be bringing with them new experiences and new ideals. We should collectively facilitate articulation of the lessons of these experiences and reflection of these ideals.

There is an annual allocation of more than Rs. 1,000 crore under the M.Ps Local Area Development Scheme. My experience is that there are lots of inadequacies in the implementation of the Scheme. Those should be rectified. The Scheme should itself be made more flexible. I have no doubt that if the hon. Members would take serious interest in the Scheme, they could bring about significant improvement in the lot of the poor masses of the country. This is the least that could be done to them who, in fact, account for substantial voter turnout.

Our media has been very vibrant in projecting Parliament business. Because of the electronic revolution, visual images, inter-alia, about the performance of the Parliament have come to have outreach into remote parts of the country. A balanced media projection of the Parliament in action including the constructive work done by the members would go a long way in its preservation as a democratic institution and in strengthening peoples""""" faith in democratic values.

While the level of representation of women in the House remains static, for the first time in the history of our country, we are having a lady Leader of the Opposition. Madam, I hope that your presence in this vital office of the House will strengthen the forces of women"""""'s empowerment, particularly women"""""'s parity with men in the Parliament and other Legislative Bodies in the country.

Prime Minister, Sir, I wish you well in carrying our country into the next century.

Mr. Speaker, Sir, I had the privilege of working closely with you in the 12th Lok Sabha which you presided. It was a pleasurable experience. I look forward for working in closer cooperation with you as your deputy in this House as well.

MR. SPEAKER: Not thirteen months this time.

**SHRI P.M. SAYEED (LAKSHADWEEP):** Thank you very much. Jai Bharat.

**MR. SPEAKER:** So, the next item is Matters under Rule 377. I am inviting Shri P.M. Sayeed to take the Chair and start with the job as a Deputy Speaker from Matters under Rule 377.

---